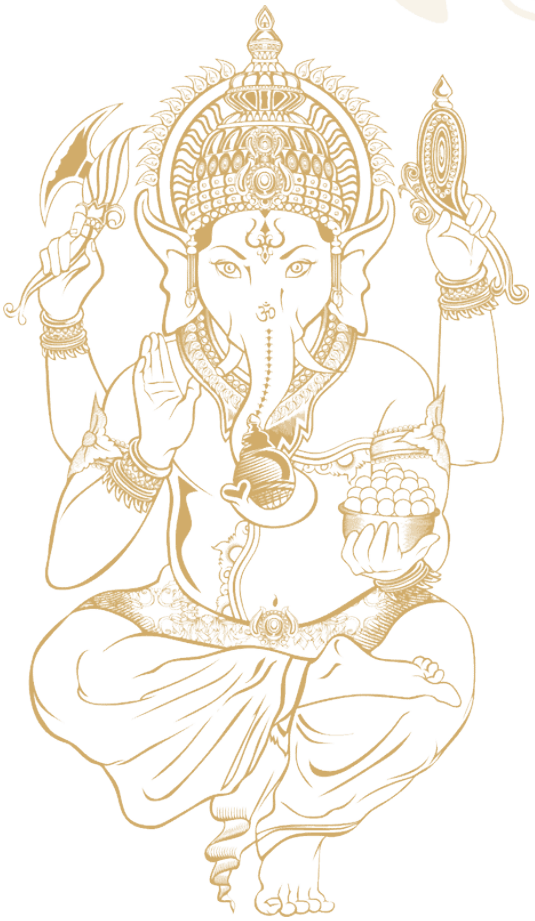

Shiv Arti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121003304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	14/12/1993
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	07:43:15 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Mumbai
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	07:03:29
18:11:09	सूर्यास्त	18:03:14
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:36

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि

बुध	10/05/2021
	10/05/2038
बुध	06/10/2023
केतु	02/10/2024
शुक्र	03/08/2027
सूर्य	09/06/2028
चन्द्र	08/11/2029
मंगल	05/11/2030
राहु	25/05/2033
गुरु	31/08/2035
शनि	10/05/2038

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
11:40:33	कर्क	लग्न	मक	06:13:56
08:12:45	मीन	सूर्य	वृश्चि	28:24:39
24:53:24	तुला	चंद्र	धनु	08:38:34
01:47:57	कुंभ	मंगल	धनु	01:50:05
15:45:14	मीन व	बुध	वृश्चि	17:02:58
13:10:10	सिंह व	गुरु	तुला	12:58:37
16:33:17	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	20:17:18
21:18:28	मक	शनि	कुंभ	01:41:45
11:37:25	धनु व	राहु व	वृश्चि	09:13:54
11:37:25	मिथु व	केतु व	वृष	09:13:54
23:52:05	धनु	हर्ष	धनु	26:47:46
24:58:18	धनु	नेप	धनु	26:02:20
29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	02:41:00

विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 5मा 16दि

चन्द्र	01/06/2022
	31/05/2032
चन्द्र	01/04/2023
मंगल	31/10/2023
राहु	01/05/2025
गुरु	31/08/2026
शनि	31/03/2028
बुध	31/08/2029
केतु	01/04/2030
शुक्र	01/12/2031
सूर्य	31/05/2032

लग्न-चलित

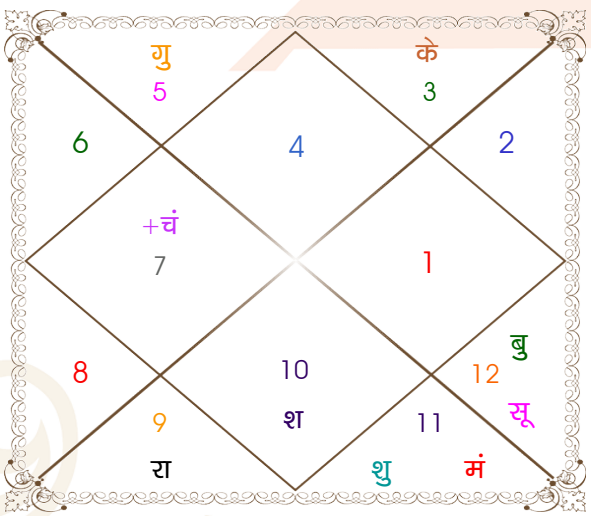

लग्न-चलित

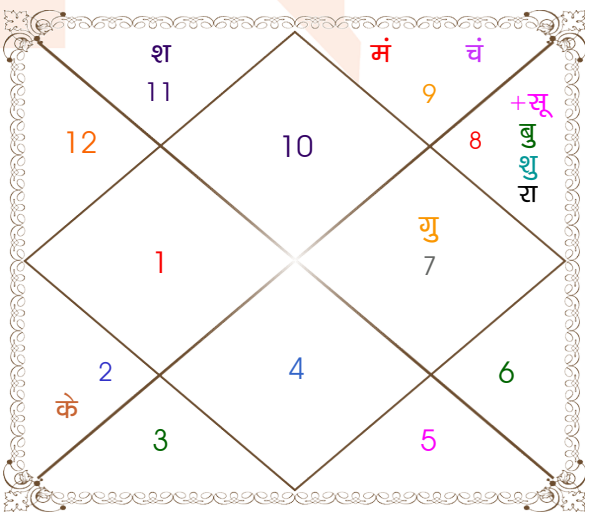

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ौपअ का वर्ग सर्प है तथा Arti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअ और Arti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलौपअ कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Arti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arti कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Arti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Arti कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपअ कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ तथा Arti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।